छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

37वाँ दीक्षान्त समारोह

22 मार्च, 2023

दिन – बुधवार

माननीय कुलपति

प्रो0 विनय कुमार पाठक जी

द्वारा प्रस्तुत

प्रगति आख्या

सत्र 2021–22

विद्या की अधिष्ठात्री देवी माँ शारदे, हमारी आज के दीक्षान्त समारोह की अध्यक्ष माननीया कुलाधिपति महोदया एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश, **श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी**, आज यहाँ हमारे मध्य उपस्थित सम्मानित अतिथिगण, परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश, उत्तराखंड से हमारे मध्य पधारे स्वामी **पूज्य श्री चिदानंद सरस्वती जी महाराज**, **श्री योगेंद्र उपाध्याय जी**, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार, **श्रीमती रजनी तिवारी जी**, माननीया राज्य मंत्री– उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश सरकार, **कोर्ट, कार्य परिषद् एवं विद्या परिषद्** के सम्मानित सदस्य गण, उपाधि एवं पदक प्राप्तकर्ता छात्र–छात्राएँ, बालगृह और प्राथमिक विद्यालयों से आए हुए भारत के स्वर्णिम भविष्य के ज्योतिपुंज हमारे नन्हें–मुन्ने बच्चे, ग्रामीण अंचलों से पधारी सेवा की प्रतिमूर्ति हमारी ऑगनवाड़ी कार्यकत्री, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के पत्रकार बन्धुओं, विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण, प्रिय विद्यार्थियों तथा देवियों एवं सज्जनों! सर्वप्रथम आप सभी को नवविक्रम संवत्सर 2080 की हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई। नव संवत्सर आपके जीवन में सफलता और आनन्द लाए, ऐसी कामना करता हूँ ।

अत्यंत हर्ष का विषय है कि हमारा छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय अपना **37वाँ दीक्षांत समारोह** मना रहा है। सहज आग्रह मात्र से आप सभी की इस समारोह स्थल पर गरिमामय उपस्थिति निश्चित ही विश्वविद्यालय परिवार के लिए अत्यन्त हर्ष एवं गौरव का विषय है। इस विश्वविद्यालय प्रांगण में सर्वप्रथम मैं स्वागत करता हूँ, हमारी **माननीय कुलाधिपति महोदया जी** का, जिन्होंने आज इस दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को अपना आशीर्वाद प्रदान करने के लिए हमें कृपा पूर्वक अपनी स्वीकृति प्रदान की है।

परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश, उत्तराखंड से पधारे आध्यात्मिक गुरू पूज्य **स्वामी चिदानंद सरस्वती जी** का मैं हार्दिक अभिनन्दन एवं नमन करता हूँ। आपने इस दीक्षांत समारोह में हमें दीक्षांत भाषण देने की सहज स्वीकृति प्रदान की है। आपकी आध्यात्मिक ऊर्जा एवं शास्त्रीय ज्ञान, शिक्षा के क्षेत्र में हम सभी को आगे बढ़ने और विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों के समावेश हेतु निरंतर प्रेरित करता है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के इस दीक्षांत समारोह में आप सभी का आशीर्वाद हमारे विद्यार्थियों को अपने सामाजिक जीवन क्षेत्र में प्रवेश हेतु निश्चित ही प्रेरणा प्रदान करने वाला है।

साथ ही मैं स्वागत कर रहा हूँ, हमारे आज के विशिष्ट अतिथि, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, **श्री योगेंद्र उपाध्याय जी** का एवं हमारी राज्य मंत्री उच्च शिक्षा **श्रीमती रजनी तिवारी जी** का, जिनके सार्थक प्रयासों से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, विशेष रूप से नवाचारों के क्रियान्वयन में अभूतपूर्व प्रगति हुयी है।

इस शताब्दी में शिक्षा की अवधारणा में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है। सूचना एवं सम्प्रेषण तकनीक के तीव्र विकास ने सम्पूर्ण विश्व के शैक्षणिक परिदृश्य को परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस बदले हुए परिदृश्य में विश्वविद्यालयों पर यह महती ज़िम्मेदारी आन पड़ी है कि हम विश्व के श्रेष्ठ संस्थानों में समिल्लित होने हेतु विज्ञान एवं तकनीक का सहारा लें। **आज माननीय कुलाधिपति महोदया को यह बताते हुए मैं गौरव एवं हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ** कि आपके विश्वास के अनुरूप ही हमने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शिक्षा में तकनीक के अनुप्रयोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट बनाने का अथक प्रयास किया है।

मैं, विगत दीक्षांत समारोह के आयोजन से लेकर इस दीक्षांत समारोह तक विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गयीं कुछ महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आपके समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ –

अकादमिक उपलब्धियाँ : माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति महोदया के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। आपकी दृष्टि के अनुरूप ही अकादमिक क्षेत्र में विश्वविद्यालय ने नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं :–

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप **37 परास्नातक पाठ्यक्रमों** को, **34 व्यावसायिक पाठ्यक्रमों** को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप परिमार्जित करने के साथ ही, **16 माइनर इलेक्टिव** को भी **अंतर्विषयक पाठ्यक्रमों की संकल्पना** के अनुरूप लागू किया गया है, साथ ही विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों हेतु **एक समान ग्रेडिंग व्यवस्था एवं सेमेस्टर प्रणाली** को लागू किया गया है। साथ ही

सभी पाठ्यक्रमों की पुनर्संरचना इस उद्देश्य के साथ की गयी है, जिससे स्थानीय, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय महत्व की विषयवस्तु को लक्षित किया जा सके।

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप ही विश्वविद्यालय एवं इसके सम्बद्ध महाविद्यालयों में **अकादमिक बैंक ऑफ़ क्रेडिट** को लागू कर दिया गया है एवं क्रेडिट ट्रांसफर की व्यवस्था को सुगम एवं आसान बना दिया गया है।
- भारतीय ज्ञान परम्परा की महत्ता को स्वीकारते हुए विश्वविद्यालय ने अध्यापकों एवं विद्यार्थियों का **भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रति अभिमुखीकरण** हेतु देश के विशिष्ट विद्वानों द्वारा श्रेष्ठ व्याख्यानों की एक वृहद श्रृंखला आयोजित की जा रही है।
- **माननीय कुलाधिपति महोदया**, यह बताते हुए मैं अत्यंत गौरव का अनुभव कर रहा हूँ कि **आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और डेटासाइन्स** को पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, **प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय** है। विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के विकास के लिये आई.आई.टी. कानपुर के सहयोग से आर्टीफीशियल इंटेलीजेन्स और डेटासाइन्स पर केन्द्रित एक अनिवार्य पाठ्यक्रम का संचालन विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धि है। आई.आई.टी. कानपुर के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डाटा साइंस के क्षेत्र में 640 विद्यार्थियों एवं 10 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया है।
- विदेशी विद्यार्थियों को आकर्षित करने हेतु **International Relationship & Academic Cooperation (IRAC)** प्रकोष्ठ को स्थापित किया गया है।
- समाज के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढाने हेतु एवं एक समावेशी समाज के निर्माण हेतु विश्वविद्यालय ने **महिला अध्ययन केंद्र** की स्थापना भी की है।
- स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के **42 छात्रों ने GATE 2022** की परीक्षा उत्तीर्ण की है जिसमें एक विद्यार्थी प्रभव वर्मा को **तीसरी आल इंडिया रैंक** प्राप्त हुयी है। शिक्षा विभाग, स्कूल ऑफ फाइन आर्ट्स, फार्मेसी आदि विभागों के **100 से अधिक** विद्यार्थियों ने **नेट तथा जीपैट** जैसी प्रतिष्ठित परीक्षायें उत्तीर्ण की हैं।

- शैक्षणिक विकास और विचारों के आदान–प्रदान को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा **60 से अधिक** प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ **मेमोरैन्डम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MoU)** पर हस्ताक्षर किए गए हैं।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप विश्वविद्यालय ने M.S. Office के उपयोग द्वारा ऑफिस ऑटोमेशन, भौतिकी में प्रयोगशाला तकनीक, ड्रेस डिजाइनिंग, ड्राइंग और पेंटिंग और कई अन्य **अन्तर्विषयी व्यावसायिक और कौशल विकास कार्यक्रम** प्रारम्भ किए हैं।
- विश्वविद्यालय परिसर को **समावेशी एवं जेंडर न्यूट्रल बनाने हेतु एंटी– रैगिंग पालिसी, आतंरिक शिकायत प्रकोष्ठ एवं महिला–केन्द्रित हेल्पलाइन** को समृद्ध एवं उद्देश्यपरक बनाया गया है।

शोध के क्षेत्र की उपलब्धियाँ :–

- **कुलाधिपति महोदया** को यह बताते हुए मैं अत्यंत गौरव का अनुभव कर रहा हूँ कि हाल ही में विश्वविद्यालय ने **शोध गंगा प्लेटफॉर्म** पर सबसे अधिक शोध प्रबंध उपलब्ध कराने में भारतीय विश्वविद्यालयों में **5वां स्थान और उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान** प्राप्त किया है। इन सभी शोध प्रबन्ध को **शोध गंगा के INFLIBNET प्लेटफार्म** पर देखा जा सकता है।

विश्वविद्यालय परिसर में **25 शिक्षकों** को उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद द्वारा **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस योजना** के अंतर्गत शोध हेतु अनुदान प्राप्त हुआ। महोदया आपको यह बताते हुए मैं प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ कि विश्वविद्यालय के इतिहास में आज तक कभी इतनी बड़ी संख्या में प्रोजेक्ट्स एवं फंड स्वीकृत नहीं हुए हैं, जितने इस वर्ष हुए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा **सीवी रमन माइनर प्रोजेक्ट** के तहत लगभग 50 से अधिक प्रोजेक्ट्स हेतु विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के अध्यापकों को **सीड ग्रांट** प्रदान की गयी है। इसके अतिरिक्त संकाय सदस्यों को शोधकार्य के प्रकाशनों, सम्मेलनों में सहभागिता तथा विश्वविद्यालय, राज्य उच्च शिक्षा विभाग और अन्य केन्द्रीय अनुसन्धान संस्थाओं जैसे DST, UGC, AICTE, ICSSR आदि द्वारा समर्थित अनुसन्धान परियोजनाओं हेतु

आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है। विश्वविद्यालय मे ं कार्यरत 226 शिक्षकों ने विभिन्न एफडीपी, एसटीपी, कार्यशाला, रिफ्रेशर कोर्स आदि में प्रतिभाग किया, जिसमें से 172 शिक्षको ं को वित्तीय सहायता भी प्रदान की गयी। इस सत्र में विश्वविद्यालयों ने 333 व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया। विश्वविद्यालय परिसर की दो छात्राओं सोनाली अवस्थी तथा मौलि श्री को सावित्री बाई फुले सिंगल गर्ल चाइल्ड फेलोशिप **UGC** द्वारा प्रदान की गयी है।

- विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय ने **शोध गंगा प्लेटफॉर्म** पर **इंस्टीट्यूशनल रिपॉजिटरी** के माध्यम से उत्कृष्ट शोध को बढ़ावा देने हेतु दस हजार एक सौ एकतीस(10,131) इलेक्ट्रॉनिक थीसिस उपलब्ध कराई हैं जिसे सीएसजेएमयू के ई–लाइब्रेरी ऐप के माध्यम से भी देखा जा सकता है।
- विश्वविद्यालय ने शोध परीक्षा में सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों हेतु **राधाकृष्णन फेलोशिप , छत्रपति शाहू जी महाराज फेलोशिप, एवं नेट उतीर्ण विद्यार्थियों हेतु टीचिंग असिस्टेन्टशिप** योजनाओं की शुरुआत भी की गयी है।
- विश्वविद्यालय के अध्यापकों ने **हाई इम्पैक्ट फैक्टर जर्नल्स** में ढेर सारें गुणवत्तापूर्ण शोध पत्र प्रकाशित करवाएँ हैं। माननीय कुलाधिपति महोदया को यह बताते हुए मैं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ कि विश्वविद्यालय के अध्यापकों ने अब तक **16 पेटेंट्स** भी अपने नाम किये हैं तथा लगभग **4 करोड़ रूपये का फंड** देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों से शोध हेतु अनुदान के रूप में प्राप्त किया है। महोदया, इस दीक्षांत समारोह में 129 विद्यार्थियों को पीएचडी की शोध उपाधि प्रदान की जा रही है।

शिक्षा में तकनीक के अनुप्रयोग से सम्बंधित उपलब्धियाँ :–

प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इण्डिया के स्वप्न को साकार करते हुए हमारे शिक्षण संस्थानों को भी वैश्विक पहचान की प्राप्ति हेतु तकनीकी आधारित कार्यशैली को अपनाते हुये अपने विद्यार्थियों को तकनीकी आधारित कार्यशैली में दक्ष बनाना ही होगा। गत वर्ष विश्वविद्यालय में डिजिटल कार्यशैली अपनाने की दिशा में अनेक कदम उठाये गये हैं –

- आपको यह बताते हुए मैं गौरव का अनुभव कर रहा हूँ कि प्रधानमंत्री जी के डिजिटल इंडिया इनिसिएटीव से प्रेरित होकर हमने देश में पहली बार **फेसलेस विद्यार्थी सेवाओं** का आरम्भ किया है, जिससे विद्यार्थियों को उपाधियाँ, स्थानांतरण प्रमाण पत्र

एवं ट्रांसक्रिप्ट जैसे महत्वपूर्ण शैक्षिक अभिलेख ऑनलाइन प्राप्त हो रहे हैं, जिसका उद्घाटन प्रदेश की राज्यपाल एवं हमारे विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति महोदया द्वारा किया गया था।

- विश्वविद्यालय ने पारदर्शी एवं द्रुतगामी व्यवस्था स्थापित करने हेतु एवं विद्यार्थियों की सुविधा हेतु विभिन्न पोर्टल्स का निर्माण किया है, जैसे–

i. शैक्षणिक और ज्ञान–संसाधनों के संचय एवं संवर्धन हेतु **ज्ञान–संचय पोर्टल** का प्रारम्भ किया गया। इस पर पीपीटी, पीडीफ एवं वीडियो के रूप में कोई भी शिक्षण–अधिगम सामग्री अपलोड की जा सकती है। इस प्लेटफार्म पर **1000** से भी अधिक **शिक्षण–अधिगम सामग्री** को अपलोड किया जा चुका है।

ii. प्रमाणपत्र, अंकपत्र और माइग्रेशन जैसे महत्वपूर्ण प्रपत्रों को छात्रों तक ऑनलाइन सुगमता से पहुँचाने के लिए **छात्र सहायता पोर्टल**

iii. पुस्तकालय हेतु डिवाइस पोर्टल और मोबाइल फोन द्वारा पुस्तकालय तक पहुँच हेतु **ई–पुस्तकालय एप**

iv. छात्रावासों हेतु **कक्ष–आवंटन पोर्टल**

v. अतिथि गृहों के लिए **ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल**

vi. नैक निरीक्षण हेतु **नैक पोर्टल**

vii. कालेज को सम्बद्धता प्रदान करने हेतु **सम्बद्धता पोर्टल**

viii. विद्यार्थियों की उपस्थिति की मानिटरिंग हेतु **विद्यार्थी उपस्थिति पोर्टल**

ix. प्रायोगिक परीक्षा के परीक्षकों के निर्धारण हेतु **ऑनलाइन सिस्टम** का विकास

x. ऑनलाइन परिणाम देखने हेतु **एप एवं ईआरपी** का विकास

xi. अध्यापकों/अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अवकाश आवेदन हेतु **अवकाश–आवेदन पोर्टल**

xii. **नवाचार और इनक्युबेशन पोर्टल**

xiii. शोध गतिविधियों को गति प्रदान करने हेतु **अनुसन्धान पोर्टल**

xiv. विद्यार्थियों के आनलाइन प्रवेश को सुनिश्चित करने हेतु **प्रवेश पोर्टल**

- विश्वविद्यालय ने **प्रदेश में पहली बार** स्नातक एवं परास्नातक स्तर की सत्रांत परीक्षा की उत्तरपुस्तिकाओं का **डिजिटल मूल्यांकन** सफलतापूर्वक सम्पन्न कराया है। इससे परीक्षा परिणामों को जारी करने में अत्यंत सुविधा हुयी है।
- डिजिलाकर सुविधा के माध्यम से छात्र प्रमाण पत्र राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी **'एनएडी (नैड)'** पर अपलोड किये जा रहे हैं। राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी के अनुसार विश्वविद्यालय **सर्वाधिक चौवन लाख चौतींस हज़ार सात सौ चौहत्तर (54,34,774)** विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र अपलोड करके उत्तर प्रदेश में पहले स्थान पर है।
- विश्वविद्यालय द्वारा परिसर में **हाई–स्पीड इंटरनेट** लगाने का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विश्वविद्यालय परिसर में स्थित प्रत्येक विभाग में **वाई–फाई** की सुविधा उपलब्ध करा दी गयी है। परिसर के प्रत्येक संस्थान को विश्वविद्यालय द्वारा कम्प्यूटरीकृत किया गया है। विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न विभागों एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की **जियो टैगिंग** का कार्य भी पूर्ण कर लिया गया है।
- विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को बेहतर शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराने हेतु केंद्रीय पुस्तकालय ने **डिजिटल संसाधनों** का विस्तार किया है जिससे सभी को पत्रिकाओं, समाचार पत्रों एवं अन्य शिक्षण सामग्री डिजिटल रूप में उपलब्ध है एवं **प्रेस रीडर, 'स्कोपस', 'आईथेंटिकेट', टर्निटीन, उरकुंड (URKUND)** और **'चेक फॉर प्लेग जो 22 भारतीय भाषाओं में कार्य करता है,** जैसे कई गुणवत्तापूर्ण डिजिटल संसाधन शैक्षिक उत्कृष्टता की वृद्धि में सहायक हैं।

अकादमिक एवं प्रशासनिक सुधार :–

- माननीय कुलाधिपति महोदय की प्रेरणा से 100 से भी अधिक शैक्षणिक स्टाफ की नियुक्ति हुयी है जिसमें राज्यपाल सचिवालय द्वारा निर्गत सभी दिशा– निर्देशों का अक्षरशः पालन किया गया। समस्त अर्ह अध्यापकों की **Career Advancement Scheme (CAS)** के अंतर्गत पदोन्नति की गयी है जिससे शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में काफी तीव्रता आयी है।

- **DPC** के अंतर्गत सभी सुपात्र कर्मचारियों का समयबद्ध तरीके से प्रमोशन किया गया है। यह बताते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है कि अब किसी भी कर्मचारी अथवा शिक्षक की प्रोन्नति का प्रकरण लम्बित नहीं है।
- विश्वविद्यालय ने वैश्विक नागरिकता कौशलों के निर्माण हेतु **डिजिटल आधारभूत सुविधाओं** को दृढ़ता प्रदान करने, आईसीटी में संकाय–सदस्यों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम में **अधिगम की हाइब्रिड प्रणाली** के समावेश के प्रावधानों पर विशेष बल दिया है।
- यह बताते हुए मैं हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ कि प्रदेश में **e-Office शुरू करने वाला** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय **पहला विश्वविद्यालय** है। प्रशासनिक कार्यों में अधिक जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करने, फाइलों के त्वरित निस्तारण एवं कर्मचारियों तथा संसाधनों के बेहतर प्रबंधन किये जाने हेतु ई–ऑफिस का निर्माण सफलतापूर्वक किया गया है।

सामाजिक दायित्व से सम्बंधित उपलब्धियाँ :–

- विद्यार्थियों के समग्र विकास को दृष्टिगत रखते हुये **"सेवा के माध्यम से शिक्षा"** द्वारा विद्यार्थियों में सामाजिक संवेदनशीलता का विकास भी किया जा रहा है। इस हेतु **शैक्षणिक भ्रमण, स्टूडेंट काउंसिल का गठन, हॉबी क्लब (आत्मोदय) के निर्माण** के साथ–साथ विभिन्न शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें छात्र–छात्राओं की सक्रिय सहभागिता रही।
- माननीया कुलाधिपति महोदया की प्रेरणा से **राष्ट्रीय सेवा योजना** ने सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्वविद्यालय के परिक्षेत्र के सात जनपदों के **75 गाँवों** के विभिन्न कार्यक्रमों एवं परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया। इन **75 गाँवों में दिनांक 12 अगस्त से 15 अगस्त 2022** के मध्य **राष्ट्रीय सेवा योजना** के स्वयंसेवियों के द्वारा सेवा के विभिन्न कार्यक्रम संपन्न किये गए।

- राष्ट्रपिता महात्मा गॉधी के मानव सेवा के उद्देश्य को लक्षित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में एक **''सेवा उद्यान''** की स्थापना की गयी है। इसकी प्रेरणा अहमदाबाद के सघड़ गॉव स्थित **Environment Sanitization Institute** में संचालित सेवा पार्क से ली गयी है जहॉ हमारी **NSS की टीम ने** 26 सितम्बर से 28 सितम्बर, 2022 तक आयोजित शिविर में भाग लिया। इस शिविर में NSS के स्वयंसेवकों को **डा0 जयेश भाई पटेल** का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

- माननीय राज्यपाल महोदया के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा **100 क्षय रोगियों को गोद लिया गया**। इन रोगियों में रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाने एवं शीघ्र स्वास्थ्य लाभ को दृष्टिगत रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा 6 माह तक उत्तम पोषण की व्यवस्था की गयी, जिसके क्रम में पिछले 4 महीने से चयनित 100 रोगियों को उत्तम पुष्टाहार वितरण की व्यवस्था का कुशलतापूर्वक संचालन विश्वविद्यालय द्वारा किया जा रहा है। यह बताते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ कि गोद लिए गए 100 रोगियों में से **25 रोगी क्षयरोग मुक्त** भी हो चुके हैं और सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

- विश्वविद्यालय ने अपने सामाजिक दायित्व को समझते हुए **राजकीय बालगृह, कल्यानपुर**, कानपुर के बच्चों हेतु तकनीकी शिक्षा को सुगम बनाने के उद्देश्य से एक कंप्यूटर लैब की स्थापना की गयी है।

- कोविड महामारी के दौरान विश्वविद्यालय ने लगातार अपनी सामाजिक उत्तरदायित्व का निष्ठा पूर्वक निर्वहन किया है। इस महामारी के उपरान्त विश्वविद्यालय के **स्वास्थ्य केंद्र में आरोग्यं क्लीनिक** का उद्घाटन गांधी जयन्ती के शुभ अवसर पर किया गया जिसमें एलौपैथिक के अलावा अन्य चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ अपनी निःशुल्क परामर्श सुविधा दे रहे हैं।

शिक्षा एवं नवाचार :–

- विश्वविद्यालय, नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु **Innovation and StartUp** की संस्कृति को निरन्तर विकसित कर रहा है। विद्यार्थियों की उद्यमशीलता की पहल को प्रोत्साहन हेतु **''स्टूडेंट स्टार्ट–अप प्रमोशन पालिसी 2023''** तैयार की गयी है।
- कैम्पस प्लेसमेंट हेतु विश्वविद्यालय ने अपनी विशेष व्यूह रचना बनाई है। इस बार विश्वविद्यालय ने एक **मेगा जॉब फेयर** आयोजित करने के साथ ही 6 जॉब फेयर और **61 प्लेसमेंट ड्राइव्स** आयोजित की है। इतना ही नही विद्यार्थियों की प्लेसमेंट बेहतर हो इस हेतु **12 काउंसलिंग सत्र** भी आयोजित किये गये हैं जिसमें कम्युनिकेशन ट्रेनिंग के साथ ही कार्पोरेट प्रशिक्षण भी कराया गया है। इस बार प्लेसमेंट में विश्वविद्यालय ने 1000 से अधिक विद्यार्थियों को **प्लेसमेंट दिलाने में** सफलता प्राप्त की।
- विश्वविद्यालय ने **''कबाड़ से कमाल''** नाम से एक रचनात्मक अभियान का प्रारम्भ किया है। इस अभियान ने विश्वविद्यालय में बेकार हो गए संसाधनों को इकठ्ठा कर उसकी मरम्मत करवा कर दुबारा उपयोग में लाने की विधा विकसित की है। इससे विश्वविद्यालय ने लगभग **एक करोड़ छियासी लाख अठाईस हजार दो सौ दस रुपये (रु0 1,86,28,210) की बचत की है**।

अन्य उपलब्धियाँ :–

- विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों को जोड़ने के प्रयास भी किये गए जिससे कि पूर्व छात्रों के ज्ञान व व्यावहारिक अनुभव का लाभ विद्यार्थियों को प्राप्त हो सके। पिछले सत्र में सभी विभागों द्वारा पूर्व विद्यार्थी सम्म्मेलन का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय में पूर्व विद्यार्थियों के सहयोग से **सेवा उद्यान** भी विकसित किया गया है। यह बताते हुए मुझे हर्ष की अनुभूति हो रही है कि लगभग **दस हजार (10,000) विद्यार्थियों** को पोर्टल के माध्यम से जोड़ा जा चुका है। विश्वविद्यालय के एलुमनाई प्रकोष्ठ के द्वारा सत्त रूप से सेमिनार, कांफ्रेंस एवं प्लेसमेंट ड्राइव्स आयोजित करवाई जा रही है। अब तक लगभग 8 सेमिनार, कांफ्रेंस एवं प्लेसमेंट ड्राइव्स आयोजित की जा चुकी है।

- विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, अध्यापकों एवं कर्मचारियों ने "**समृद्धि प्रवाह योजना**" का प्रारम्भ किया है। इस योजना के अंतर्गत शिक्षकों एवं कर्मचारियों से पुराने वस्त्रों को एकत्रित कर उसे साफ़– सुथरा कर मलिन बस्तियों में वंचित वर्ग में वितरित किया गया।

- मानव जीवन एवं भारतीय परम्परा में जल का अत्यंत व्यापक महत्व है। इस महत्व को स्वीकारते हुए हमने सत्त एवं समावेशी विकास के लिए "**जल संरक्षण एवं संचयन**" हेतु विश्वविद्यालय परिसर में ही अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत एक सरोवर विकसित किया है।

- विश्वविद्यालय में एक **बायो–डायवर्सिटी** पार्क भी विकसित किया गया है जिसमें लगभाग 20 पादप प्रजातियों को एवं 28 पशु प्रजातियों को संरक्षित करने का प्रयास किया गया है।

- नगर निगम के सहयोग से विश्वविद्यालय ने एक **ओपन एयर जिम** विकसित किया है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में ओपन एयर जिम को लेकर बेहद उत्साह भी देखा गया है।

- छत्रपति शाहू जी महाराज की जन्मशती मनाने के लिए एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया है, जिसके मुख्य अतिथि छत्रपति शाहू जी महाराज के वंशज एवं **पूर्व राज्यसभा सांसद संभाजी राजे** थे, जिसके उदघाटन सत्र में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय कुलाधिपति महोदया का आशीर्वाद भी हमें प्राप्त हुआ था।

- भारतीय परम्परा में अन्न को देव तुल्य समझा गया है। अन्न की महत्ता को समझते हुए मोटे अनाज को श्री अन्न अथवा **मिलेट** कहा जाता है। मा0 प्रधानमंत्री जी की परिकल्पना के अनुरूप **मिलेट** को अपनाने हेतु विश्वविद्यालय ने जागरूकता अभियान चलाया है और कार्यशाला आयोजित कर इसके महत्व को समझाते हुए समाज को जागरूक करने का कार्य किया है।

- विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने नार्थ जोन एवं राष्ट्रीय स्तर पर लगभग 48 खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किया है। विश्वविद्यालय ने **देशज तथा परम्परागत खेलों** (**Indigeneous Games**) को विशेष महत्व दिया गया है। खेलों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से निःशुल्क प्रवेश सहित प्रशिक्षण, स्कालरशिप तथा स्पोर्ट्स किट के रूप में विभिन्न प्रकार की वित्तीय सहायता का प्राविधान भी किया गया है। इसका सुखद परिणाम भी देखने को मिला है कि हमारे विश्वविद्यालय की छात्रा तनीशा लाम्बा ने वर्ष–2023 में नार्थ जोन अंतर्विश्वविद्यालयी बॉक्सिंग प्रतियोगिता में रजत पदक एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष–2022 में एशियन बाक्सिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक प्राप्त किया तथा विश्वविद्यालय के एम0पी0एड0 पाठ्यक्रम के छात्र जयप्रकाश सिंह ने वर्ष–2022 में वर्ल्ड मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में रेस वाकिंग प्रतियोगिता में स्वर्णपदक प्राप्त किया है।

मैं, इस अवसर पर विश्वविद्यालय की माननीया कुलाधिपति एवं राज्यपाल महोदया का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूँ जिनके मार्गदर्शन में प्रदेश के कई विश्वविद्यालयों को NAAC में A^{++} ग्रेड प्राप्त हुआ है। इसी श्रृंखला में माननीया कुलाधिपति जी के मार्गदर्शन एवं दिशा–निर्देशों के अनुसार छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय भी अपनी SSR अतिशीघ्र जमा करने वाला है और हम आशान्वित हैं कि इस वर्ष की NAAC ग्रेडिंग आपकी अपेक्षा के अनुरूप हमारे लिए गर्व का विषय बनेगी। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि माननीया कुलाधिपति के पूर्णतः पारदर्शी दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए विश्वविद्यालय में 100 से अधिक शिक्षकों की भर्ती की गयी है जिसका पूरा श्रेय माननीया कुलाधिपति महोदया को जाता है। आपको यह बताते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि माननीया कुलाधिपति जी द्वारा प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं उनसे सम्बद्ध महाविद्यालयों तथा प्रदेश में स्थापित आंगनवाड़ियों के बीच सम्बन्ध स्थापित करने की एक ऐसी मुहिम चलायी है जिससे गाँवों में रहने वाले छोटे एवं गरीब बच्चों से विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों का सीधा जुड़ाव आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की सहायता से हुआ है। माननीया की संकल्पना से प्रारम्भ हुआ यह देश का ऐसा पहला कार्यक्रम है जिससे उत्तर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय एवं हजारों महाविद्यालय सीधे आंगनवाड़ी से जुड़े हुए हैं। माननीया कुलाधिपति जी की प्रेरणा से इस विश्वविद्यालय द्वारा अभी तक 240 आँगनवाड़ियों को बच्चों के खेल से सम्बन्धित अनेकों सामग्री उपलब्ध करायी जा चुकी हैं।

विद्यार्थियों! दीक्षांत समारोह हमारी वैदिक शिक्षा में प्रचलित समावर्तन संस्कार के निकट है। प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा की समाप्ति के बाद समावर्तन समारोह आयोजित होता था जिसके पश्चात विद्यार्थी अपने सामाजिक जीवन में प्रवेश करते थे। आज हमारे विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा प्राप्त सभी विद्यार्थी अपने सामाजिक जीवन में प्रवेश करने जा रहे हैं। इन सभी विद्यार्थियों के जीवन का यह अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण है। मैं यहां उपस्थित सभी विद्यार्थियों को जिन्होंने पूर्ण लगन और धैर्य के साथ अपनी शिक्षा की यह यात्रा संपन्न की है, अपना शुभाशीष प्रदान करता हूँ।

मेरा यह आह्वाह्न है कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी विद्यार्थियों को विचलित नहीं होना चाहिए। जैसा कि **प्रसिद्द कवि रामधारी सिंह 'दिनकर'** ने ठीक ही कहा है कि –

सच है, विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है
सूरमा नहीं विचलित होते
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं
कांटों में राह बनाते हैं ।

वसुधा का नेता कौन हुआ ?
भूखण्ड – विजेता कौन हुआ ?
अतुलित यश–केता कौन हुआ ?
नव–धर्म प्रणेता कौन हुआ ?
जिसने न कभी आराम किया
विघ्नों में रहकर नाम किया ।

इन्हीं शब्दों के साथ सभी आगंतुकों को एक बार पुनः आभार प्रकट करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी राष्ट्र और समाज के निर्माण में अपना योगदान प्रदान करेंगे और आने वाली भावी पीढ़ियों के लिए उच्च स्तरीय मानदंड भी स्थापित करेंगे।

जय हिन्द , जय भारत